vinetur

यूरोपीय संघ के बाहर वाइन निर्यात 6.8% घटा

अमेरिका को वाइन बिक्री 15.3% घटी, जो प्रमुख बाजारों में सबसे तेज़ गिरावट रही ; बोतलबंद और स्पार्कलिंग वाइन में सबसे अधिक नुकसान हुआ

मंगलवार, 17 नवंबर 2026



Copa-Cogeca के आंकड़ों के हवाले से इतालवी व्यापार प्रकाशन WineMag की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2026 तक के 12 महीनों में यूरोपीय संघ से बाहर के देशों को वाइन का निर्यात लगभग £940 million घटा। प्रमुख बाजारों में सबसे तेज़ गिरावट अमेरिका में रही, जहां बिक्री 15.3% कम हुई।

आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच यूरोपीय संघ से बाहर के बाजारों में वाइन निर्यात का मूल्य 6.8% घटकर लगभग £12.9 billion रह गया। इसी अवधि में निर्यात की मात्रा इससे कम, 3.3% गिरकर 27.5 million hectoliters रही। यह अंतर बताता है कि यूरोपीय निर्यातकों को औसतन प्रति लीटर कम राजस्व मिला, हालांकि केवल इन आंकड़ों से यह पता नहीं चलता कि इसकी वजह कम कीमतें, वाइन के प्रकारों में बदलाव या उनकी बिक्री के बाजारों में फेरबदल था।

अमेरिका में आई गिरावट खास तौर पर उल्लेखनीय है, क्योंकि यह यूरोपीय वाइन के सबसे अहम विदेशी बाजारों में से

एक बना हुआ है। इतनी बड़ी गिरावट से पेय कारोबार के विभिन्न हिस्सों पर दबाव बढ़ सकता है—यूरोपीय उत्पादकों से लेकर अमेरिकी आयातकों, थोक विक्रेताओं और वितरकों तक। मांग में कमजोरी जारी रहने पर कंपनियां बिक्री के पूर्वानुमानों, भंडार और मूल्य निर्धारण योजनाओं की फिर से समीक्षा कर सकती हैं।

अन्य स्थापित बाजारों में भी कमजोरी रही। कनाडा को निर्यात का मूल्य 11% और स्विट्जरलैंड को बिक्री 9.2% घटी। यूनाइटेड किंगडम को निर्यात 3.9% कम हुआ। कुछ गंतव्यों में रुझान इसके उलट रहा, लेकिन इससे व्यापक गिरावट की भरपाई नहीं हो सकी। प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक, रूस को निर्यात का मूल्य 17.5% बढ़ा और हांगकांग को भेजी गई खेप 10.9% बढ़ी।

यह गिरावट सभी उत्पाद श्रेणियों में समान रूप से नहीं दिखी। आमतौर पर थोक खेपों से अधिक मूल्य वाली बोतलबंद वाइन के निर्यात मूल्य में 7.5% की गिरावट आई। स्पार्कलिंग वाइन का निर्यात 6.2% और संरक्षित मूल पदनाम वाली वाइन का निर्यात 7.6% घटा। इसके उलट, थोक वाइन का निर्यात 5% बढ़ा, जबकि बैग-इन-बॉक्स वाइन का निर्यात 3.4% बढ़ा।

यह रुझान समझाता है कि निर्यात से होने वाला राजस्व, निर्यात की मात्रा के मुकाबले अधिक तेजी से क्यों घटा। जब बोतलबंद और स्पार्कलिंग वाइन जैसी अधिक मूल्य वाली श्रेणियों की हिस्सेदारी घटती है और कम मूल्य वाले स्वरूपों की बढ़ती है, तो भेजे गए लीटर की कुल मात्रा में गिरावट सीमित रहने के बावजूद कुल कमाई घट सकती है। प्रकाशित कुल आंकड़ों के आधार पर, यूरोपीय संघ से बाहर के बाजारों में यूरोपीय संघ की वाइन का औसत निर्यात मूल्य लगभग £4.68 प्रति लीटर रहा, जो पिछले 12 महीने की अवधि से करीब 3.6% कम था।

ये आंकड़े ऐसे समय आए हैं जब वाइन उद्योग मांग के व्यापक दबाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, Copa-Cogeca का अनुमान है कि वैश्विक वाइन खपत लगभग 221 million hectoliters है, जो तीन दशक से अधिक समय का सबसे निचला स्तर है। संगठन ने ऊंचे भंडार, उत्पादन लागत में बढ़ोतरी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की बाधाओं को भी यूरोपीय उत्पादकों के लिए समस्याएं बताया है।

निर्यात में गिरावट व्यापारिक तनाव और उपभोक्ताओं की बदलती आदतों के बीच भी आई है, हालांकि उपलब्ध आंकड़े टैरिफ के असर को अन्य कारोबारी दबावों से अलग नहीं करते। इससे यह तय करना कठिन हो जाता है कि अमेरिकी बाजार में गिरावट का कितना हिस्सा व्यापार नीति, उपभोक्ता मांग में कमजोरी, खुदरा विक्रेताओं द्वारा भंडार घटाने या बाजार के अन्य कारकों से जुड़ा है।

इसी अवधि में यूरोपीय संघ के भीतर व्यापार भी कमजोर पड़ा। सदस्य देशों के बीच वाइन कारोबार का मूल्य 9.8% घटा, जबकि मात्रा में 13.4% की गिरावट आई। यूरोपीय संघ के बाहर के देशों को निर्यात के उलट, संघ के भीतर व्यापार में मात्रा की गिरावट मूल्य से अधिक रही। इससे पता चलता है कि मंदी केवल विदेशी बाजारों तक सीमित नहीं थी।

बाजार के प्रीमियम खंड से जुड़े उत्पादकों और आपूर्तिकर्ताओं के लिए बोतलबंद, स्पार्कलिंग और संरक्षित मूल की वाइन में आई तेज़ गिरावट खास मायने रख सकती है। ये श्रेणियां अक्सर अधिक मार्जिन देती हैं और वाइन व्यापारियों, आयातकों तथा आतिथ्य क्षेत्र के खरीदारों के पोर्टफोलियो में अहम स्थान रखती हैं। अमेरिकी बाजार में लगातार बनी रहने वाली मंदी पेय क्षेत्र के व्यापक हिस्सों पर पहले से मौजूद दबाव को और बढ़ा सकती है, क्योंकि कंपनियां कमजोर मांग और खरीदारी के बदलते रुझानों से निपटने की कोशिश कर रही हैं।